Chapter - 1

Money

(मुद्रा)

Content

- Definition(परिभाषा)
- Barter System(वस्तु विनिमय प्रणाली)
- Forms of Money(मुद्रा के रूप)
- Demonetization(विमुद्रीकरण)
- Supply of Money(मुद्रा की आपूर्ति)
- Monetary Aggregates(मौद्रिक समुच्चय)
- Demand of Money(मुद्रा की मांग)
- Function of Money(मुद्रा का कार्य)
- Important Terms(महत्वपूर्ण शब्द)
  - Gresham's Law(ग्रेशम का नियम)
  - High Powered Money(उच्च शक्ति की मुद्रा)
  - Liquidity Trap(तरलता जाल)
  - Cash Crunch(नकदी की कमी)
  - Fiduciary Money(प्रत्ययी मुद्रा)
  - Cold Cash(कोल्ड कैश)
  - Fiat Money(फिएट मुद्रा)
  - Hot Money(चलायमान मुद्रा)
  - Grey Money(ग्रे मनी)
  - Motif on Banknotes(बैंकनोट्स पर मोटिफ)
  - Money Multiplier(मुद्रा गुणक)

Definition :

Money

Money is what money does. (मुद्रा वही है जो मुद्रा का कार्य करे) - John Hicks

Money is a medium of exchange that is widely accepted in transactions for goods and services. It can take the form of physical currency, such as coins and banknotes, or digital currency, such as crypto-currency and electronic transfer.

मुद्रा विनिमय का एक माध्यम है जिसे वस्तुओं और सेवाओं के लेन-देन में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। यह भौतिक मुद्रा, जैसे कि सिक्के और बैंकनोट, या डिजिटल मुद्रा, जैसे क्रिप्टो-मुद्रा और इलेक्ट्रॉनिक रूप में हो सकती है ।

Barter System (वस्तु विनिमय प्रणाली)

- The barter system is a system of trade where goods or services are exchanged directly for other goods or services without the use of money. In a barter system, people trade what they have for what they need, without the need for a medium of exchange like cash or credit.

- For example, a farmer may trade some of his crops for tools he needs, or a shoemaker might trade a pair of shoes for a bushel of wheat.

- वस्तु विनिमय प्रणाली, व्यापार कि एक ऐसी व्यवस्था है, जहां वस्तुओं या सेवाओं को बिना पैसे के उपयोग के अन्य वस्तुओं या सेवाओं के लिए सीधे आदान-प्रदान किया जाता है।

- उदाहरण के लिए, एक किसान अपनी कुछ फसलों का व्यापार अपनी ज़रूरत के औजारों के लिए कर सकता है, या एक मोची गेहूं के लिए एक जोड़ी जूते का व्यापार कर सकता है।

Money

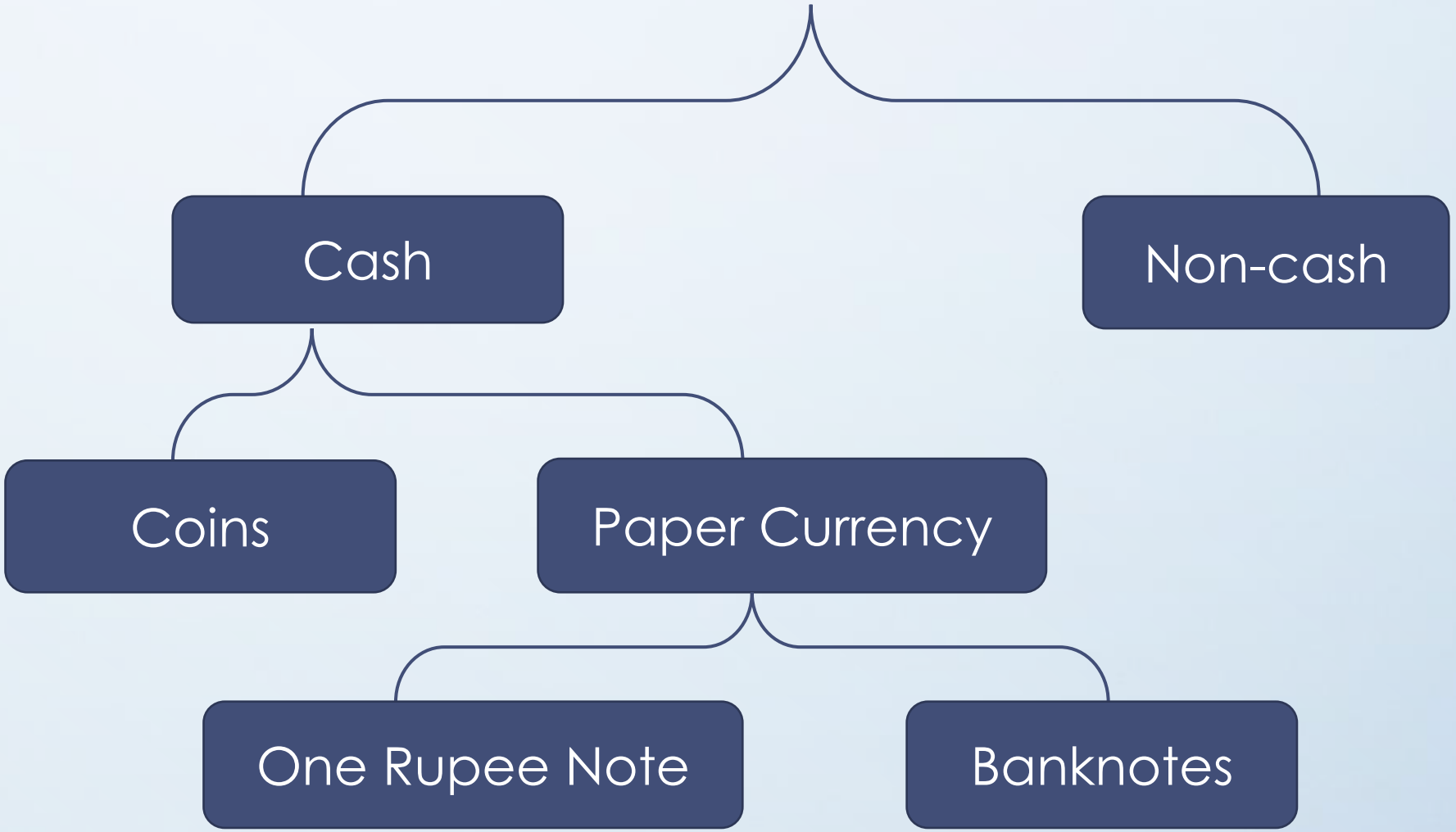

KD LIVE

Coins

The Indian Coinage Act, 2011

- Issued by Govt.of India(Ministry Of Finance) भारत सरकार(वित्त मंत्रालय) द्वारा जारी
- Government of India can issue a coin maximum of Rs.1000. (वित्त मंत्रालय, एक सिक्का अधिकतम 1000 रु. का जारी कर सकता है।)
- Mints(टकसाल) :
  - ✓ Kolkata
  - ✓ Mumbai
  - ✓ Noida
  - ✓ Hyderabad

- **Issued by Govt.of India(Ministry Of Finance**

  भारत सरकार(वित्त मंत्रालय) द्वारा जारी

- **Signature : Finance Secretary**

  हस्ताक्षर : वित्त सचिव

KD LIVE

Banknotes(बैंकनोट)

Reserve Bank of India Act, 1934

- ❑ Issued by RBI(RBI द्वारा जारी)
- ❑ Signature : Governor of RBI(हस्ताक्षर : RBI का गवर्नर)
- ❑ RBI can issue a banknote maximum of Rs. 10000. (RBI, एक बैंकनोट अधिकतम 10000 रु. का जारी कर सकता है)
- ❑ Banknote Printing Press :
  - ✓ Devas
  - ✓ Nasik
  - ✓ Mysore
  - ✓ Salboni

Some Important Facts. (कुछ महत्वपूर्ण तथ्य)

- **The first gold coins in India were issued by the Indo-Greek rulers.**
- **Pure gold coins were first introduced by the Kushan ruler Kanishka.**
- **The credit for introducing the modern currency i.e. Rupee goes to Sher Shah Suri. Sher Shah introduced a silver coin of 11.4 grams, also known as the Silver Rupee.**

- भारत में सर्वप्रथम सोने के सिक्के **हिन्द यूनानी शासकों** ने जारी किये ।
- शुद्ध सोने के सिक्के सबसे पहले **कुषाण शासक कनिष्क** द्वारा चलाये गए।
- आधुनिक मुद्रा यानी **रुपये** को शुरू करने का श्रेय **शेरशाह सूरी** को जाता है। शेरशाह ने 11.4 ग्राम के चांदी के सिक्के की शुरुआत की, जिसे चांदी का **रूपी** भी कहा गया ।

Demonetization (विमुद्रीकरण)

Higher denomination notes (1,000, 5,000 and 10,000 rupees) were reintroduced in 1954, which were demonetized in 1946. In 1978 the higher denomination notes were once again demonetized. Again in 2000 AD. only 1000 denomination banknotes were remonetized.

To deal with problems like corruption, black money, terrorism and circulation of fake currency in the economy, demonetization was done for the third time in India on 8 November 2016 when 1000 and 500 banknotes were withdrawn from circulation.

(Demonetization)	Year	Demonetized Banknotes
1st	1946	1000, 5000, 10000
2nd	1978	1000, 5000, 10000
3rd	2016	500, 1000

Demonetization (विमुद्रीकरण)

1954 में उच्च मूल्यवर्ग के नोटों (1,000, 5,000 और 10,000 रुपये) को फिर से शुरू किया गया था, जिन्हें 1946 में विमुद्रीकृत कर दिया गया था। 1978 में उच्च मूल्यवर्ग के नोटों को एक बार फिर से विमुद्रीकृत कर दिया गया था। पुनः 2000 ई. में. सिर्फ 1000 मूल्यवर्ग के बैंकनोट को जारी कर दिया गया।
अर्थव्यवस्था में भ्रष्टाचार कालाधन आतंकवाद और जाली मुद्रा के चलन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए भारत में तीसरी बार विमुद्रीकरण 8 नवम्बर 2016 को किया गया जब 1000 और 500 के बैंकनोट चलन से बहार किये गए।

(Demonetization)	Year	Demonetized Banknotes
1st	1946	1000, 5000, 10000
2nd	1978	1000, 5000, 10000
3rd	2016	500, 1000

Demonetised Banknotes in 1978

(1978 में बंद किये गए बैंकनोट)

Rupees One Thousand - Tanjore Temple

Rupees Five Thousand - Gateway of India

Rupees Ten Thousand - Lion Capital, Ashoka Pillar

KD LIVE

Some important facts (कुछ महत्वपूर्ण तथ्य)

- In 1953, Hindi was displayed on the new notes.
- In 1950, the first banknote of Republic India was issued in denominations of Rs 2, 5, 10 and 100.
- 20 in 1972 Rs. denomination notes and Rs.50 in 1975. Denomination notes issued
- Rs. 500 note was introduced in October 1987 with the portrait of Mahatma Gandhi.
- From 2011, the rupee symbol (₹) started appearing on banknotes and coins.

- 1953 में नए नोटों पर हिंदी को प्रदर्शित किया गया।
- 1950 में, रिपब्लिक इंडिया का पहला बैंकनोट रुपये 2, 5, 10 और 100 के मूल्यवर्ग में जारी किया गया था।
- 1972 में 20 रु. मूल्यवर्ग के नोट और 1975 में 50 रु. मूल्यवर्ग के नोट जारी किये गए ।
- रु. 500 का नोट अक्टूबर 1987 में महात्मा गांधी के चित्र के साथ पेश किया गया था ।
- 2011 से रूपये का प्रतिक (₹) बैंकनोटों और सिक्कों पर प्रदर्शित किया जाने लगा ।

KD LIVE

Symbol of Rupee

This new symbol of rupee **(₹)** is made by combining the letter 'र' of Devanagari script and the letter 'R' of Roman script, the Government of India has accepted this symbol on **15 July 2010**. The symbol has been created by **Mr. D. Uday Kumar**, a post graduate from the Indian Institute of Technology (IIT), Mumbai.

रुपए का यह नया प्रतीक**(₹)** देवनागरी लिपि के 'र' और रोमन लिपि के अक्षर 'R' को मिला कर बना है, भारत सरकार ने **15 जुलाई 2010** को इस चिन्ह को स्वीकार कर लिया है। यह चिन्ह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मुम्बई के पोस्ट ग्रेजुएट **श्री डी. उदय कुमार** ने बनाया है ।

KD LIVE

Supply Of Money(मुद्रा की आपूर्ति)

Money supply refers to the total amount of money in circulation in an economy at a point of time. This includes all forms of currency, such as physical currency (coins and banknotes), deposits in bank accounts, and other types of liquid assets that can be used as a medium of exchange.

The money supply is an important concept in macroeconomics because it has a significant impact on the overall level of economic activity in an economy. When there is an excess supply of money, it can lead to an increase in spending and investment, which can stimulate economic growth. **However, if there is too much money in circulation, it can lead to inflation and other economic problems, and a decrease in the money supply leads to a decrease in investment and production, which can lead to recession and unemployment.**

मुद्रा की आपूर्ति एक निश्चित समय में किसी अर्थव्यवस्था में संचलन में मुद्रा की कुल राशि को संदर्भित करती है। इसमें सभी प्रकार के मुद्रा शामिल हैं, जैसे कि भौतिक मुद्रा (सिक्के और बैंक नोट), बैंक खातों में जमा, और अन्य प्रकार की तरल संपत्तियां जो विनिमय के माध्यम के रूप में उपयोग की जा सकती हैं।

मैक्रोइकॉनॉमिक्स में मुद्रा की आपूर्ति एक महत्वपूर्ण अवधारणा है क्योंकि इसका अर्थव्यवस्था में आर्थिक गतिविधि के समग्र स्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। जब मुद्रा की अधिक आपूर्ति होती है, तो इससे खर्च और निवेश में वृद्धि हो सकती है, जो आर्थिक विकास को प्रोत्साहित कर सकता है। ***हालाँकि, यदि प्रचलन में बहुत अधिक मुद्रा है, तो यह मुद्रास्फीति और अन्य आर्थिक समस्याओं को जन्म दे सकता है, तथा मुद्रा की आपूर्ति में कमी से निवेश तथा उत्पादन में कमी होती है जो मंदी तथा बेरोजगारी का कारण बन सकती है ।***

Supply Of Money(मुद्रा की आपूर्ति)

In 1977, RBI published four monetary aggregates (M1, M2, M3, M4) to measure money supply.

1977 में मुद्रा की आपूर्ति को मापने के लिए RBI ने चार मौद्रिक राशियां **(M1, M2, M3, M4)** प्रकाशित की

Monetary Aggregates

M_1 = लोगों के पास मुद्रा + बैंकों की मांग जमा(चालू और बचत खाता) + RBI का अन्य जमा

M_2 = M_1 + डाकघरों के बचत जमा

M_3 = M_1 + बैंकों में समय जमा

M_4 = M_3 + डाकघरों में कुल जमा

M_1 = Cash with Public + Demand Deposit(Current and Saving Account)

+ Other Deposit with RBI

M_2 = M_1 + Post Office Saving Deposit

M_3 = M_1 + Time Deposit with Banks

M_4 = M_3 + Total Deposit with Post Offices

- On the recommendation of working group on Money Supply headed by **Dr YV Reddy** in its 1998 report RBI published four new monetary groups:

M0(reserve money), M1(narrow money), M2, M3(broad money)

- मुद्रा की आपूर्ति पर **डॉ. वाई. वी. रेड्डी** की अध्यक्षता वाले अपने कार्यसमूह की 1998 में दी गयी रिपोर्ट की सिफारिश पर RBI ने नए चार मौद्रिक समूहों का प्रकाशन किया

M_0(आरक्षित मुद्रा), M_1(नैरो मनी), M_2, M_3(ब्रॉड मनी)

KD LIVE

Demand Of Money(मुद्रा की मांग)

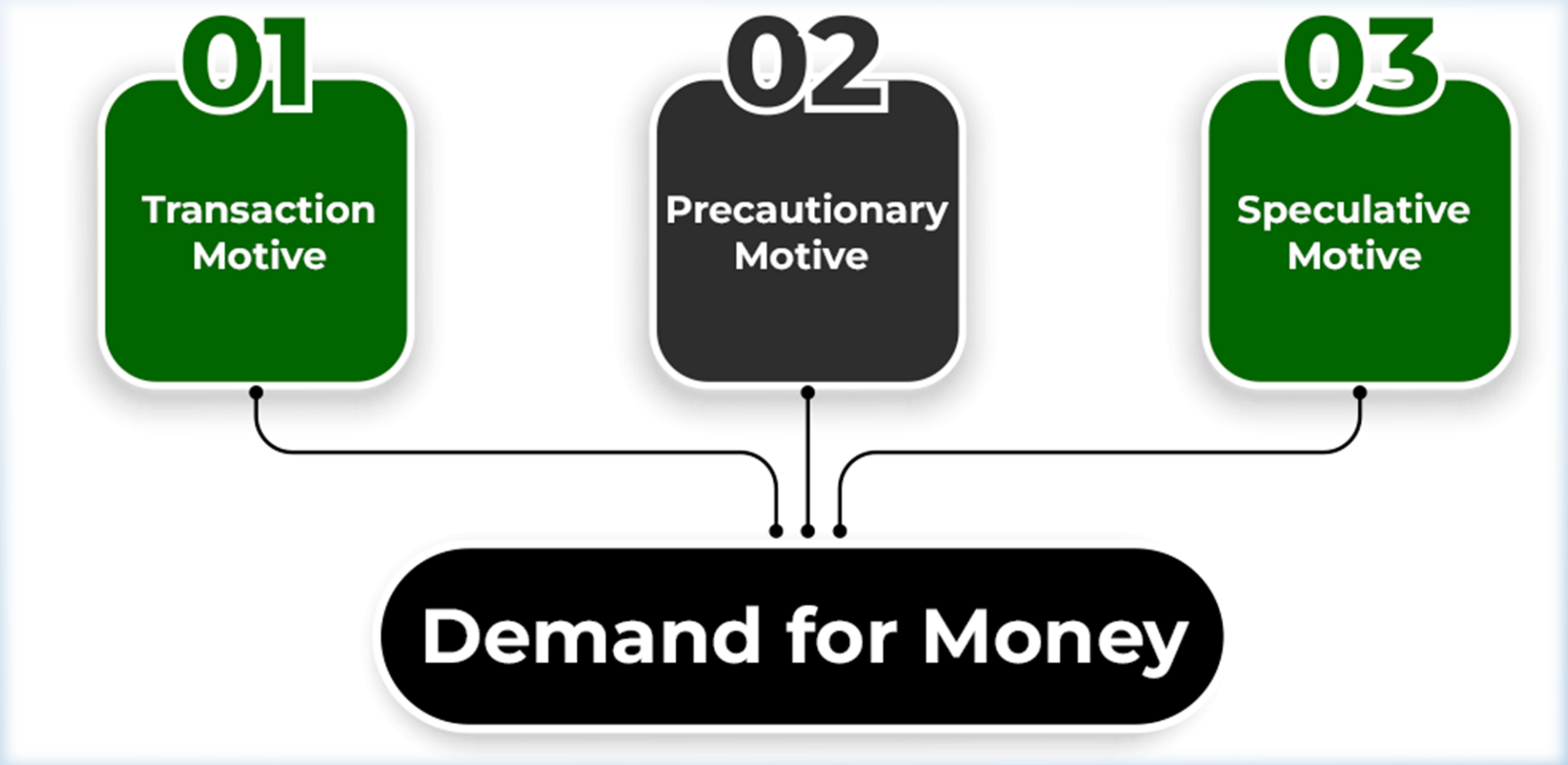

Transaction Demand for Money
(मुद्रा के लेन-देन की मांग)

"Transaction demand for money" is the amount of money required for current transactions of individuals and firms.

It is the quantity of money that all the Individuals and firms desire to keep on hand for the purpose of financing their forthcoming expenditure.

"मुद्रा के लेन-देन की मांग" व्यक्तियों और फर्मों के मौजूदा लेनदेन के लिए आवश्यक धन की राशि है।

यह धन की वह मात्रा है जिसे सभी व्यक्ति और फर्म अपने आगामी व्यय के वित्तपोषण के उद्देश्य से संभाल कर रखना चाहते हैं।

KD LIVE

Precautionary Demand for Money
(मुद्रा की एहतियाती मांग)

The precautionary demand for money is the desire to hold cash or liquid assets as a precaution against unexpected events such as emergencies, job loss, or unforeseen expenses. Individuals and businesses hold cash reserves as a way to maintain financial security and stability in the face of uncertainty.

मुद्रा की एहतियाती मांग नकदी या तरल संपत्तियों को आपात स्थिति, नौकरी छूटने या अप्रत्याशित खर्चों जैसी अप्रत्याशित घटनाओं के खिलाफ एहतियात के तौर पर रखने की इच्छा है। व्यक्ति और व्यवसाय अनिश्चितता की स्थिति में वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के तरीके के रूप में नकद भंडार रखते हैं।

Speculative Demand for Money
(मुद्रा की सट्टा मांग)

The "speculative demand for money" is the desire to hold cash or liquid assets as a means of making a profit by taking advantage of expected changes in the value of financial assets, such as stocks, bonds, or currencies.

People may hold cash as a speculative investment if they believe that the value of other investments will decrease in the future, creating an opportunity to buy these assets at a lower price. Similarly, they may hold cash if they expect the value of their currency to appreciate in relation to another currency, allowing them to make a profit by exchanging their cash for the appreciating currency.

"मुद्रा की सट्टा मांग" वित्तीय संपत्तियों, जैसे स्टॉक, बॉन्ड या मुद्राओं के मूल्य में अपेक्षित परिवर्तनों का लाभ उठाकर लाभ कमाने के साधन के रूप में नकद या तरल संपत्ति रखने की इच्छा है।

लोग सट्टा निवेश के रूप में नकदी रख सकते हैं यदि उनका मानना है कि भविष्य में अन्य निवेशों का मूल्य घट जाएगा, जिससे इन संपत्तियों को कम कीमत पर खरीदने का अवसर मिलेगा। इसी तरह, यदि वे किसी अन्य मुद्रा के संबंध में अपनी मुद्रा के मूल्य में वृद्धि की उम्मीद करते हैं, तो वे नकद धारण कर सकते हैं, जिससे वे सराहना मुद्रा के लिए अपनी नकदी का आदान-प्रदान करके लाभ कमा सकते हैं।

KD LIVE

Functions of Money (मुद्रा के कार्य)

1. **Medium of Exchange** / विनिमय का माध्यम
2. **Unit of Account** / खाते की इकाई
3. **Standard of Deferred Payment** / लंबित भुगतान के लिए मानक
4. **Store of Value** / मूल्य संचय

Gresham's Law

Good Money

Bad Money

Gresham's Law is an economic principle that states that "bad money drives out good." It suggests that when two currencies are in circulation and both are accepted as legal tender, people will tend to hoard the currency that is considered more valuable or of higher quality, and use the currency that is considered less valuable or of lower quality for transactions.

ग्रेशम का नियम एक आर्थिक सिद्धांत है जो बताता है कि "बुरी मुद्रा अच्छी मुद्रा को बाहर कर देती है।" यह बताता है कि जब दो मुद्राएं प्रचलन में होती हैं और दोनों को कानूनी निविदा के रूप में स्वीकार किया जाता है, तो लोग अधिक मूल्यवान या उच्च गुणवत्ता वाली मुद्रा को जमा करना चाहते हैं, और लेनदेन के लिए कम मूल्यवान या निम्न गुणवत्ता वाली मुद्रा का उपयोग करते हैं।

High Powered Money(उच्च शक्ति की मुद्रा)

High powered money is that which is held by the public in the form of currency (C), reserve funds (R) of banks and other deposits with the central bank. It is also called the **monetary base** and is maintained by the RBI. High powered money includes currency (notes and coins), deposits with the government and reserves of commercial banks with the RBI.

उच्च शक्तिशाली मुद्रा वह है जो जनता के पास करेंसी (C) के रूप में ,बैंकों के सुरक्षित कोष (R) के रूप में तथा केंद्रीय बैंक के पास अन्य जमाओं के रूप में सुरक्षित होती है I उच्च शक्ति वाला मुद्रा देश के मौद्रिक प्राधिकरण का दायित्व है। इसे **मौद्रिक आधार** भी कहा जाता है और इसे आरबीआई द्वारा बनाया जाता है। उच्च शक्ति वाले धन में मुद्रा (नोट और सिक्के), सरकार के पास जमा और आरबीआई के पास वाणिज्यिक बैंकों के भंडार शामिल हैं।

Liquidity Trap(तरलता जाल)

A liquidity trap is an economic phenomenon that occurs when the central bank's monetary policy measures, such as lowering interest rates, fail to stimulate the economy effectively. In a liquidity trap, people and businesses hoard money rather than spending or investing it, despite the low interest rates. As a result, the increased money supply does not lead to increased borrowing, spending, or investment.

तरलता जाल एक आर्थिक घटना है जो तब होती है जब केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति के उपाय, जैसे कि ब्याज दरों को कम करना, अर्थव्यवस्था को प्रभावी ढंग से प्रोत्साहित करने में विफल रहता है। एक तरलता जाल में, कम ब्याज दरों के बावजूद, लोग और व्यवसाय पैसे खर्च करने या निवेश करने के बजाय जमाखोरी करते हैं। नतीजतन, बढ़ी हुई धन आपूर्ति से उधार, खर्च या निवेश में वृद्धि नहीं होती है।

To be continued....

KD LIVE

Liquidity Trap(तरलता जाल)

The concept of a liquidity trap is rooted in the Keynesian economic theory. According to **John Maynard Keynes**, during periods of economic downturn or recession, individuals and businesses become cautious about spending and investing due to pessimistic expectations about future economic conditions. In response, central banks typically lower interest rates to encourage borrowing and stimulate economic activity.

तरलता जाल की अवधारणा केनेसियन आर्थिक सिद्धांत में निहित है। **जॉन मेनार्ड कीन्स** के अनुसार, आर्थिक मंदी या मंदी की अवधि के दौरान, व्यक्ति और व्यवसाय भविष्य की आर्थिक स्थितियों के बारे में निराशावादी अपेक्षाओं के कारण खर्च और निवेश के बारे में सतर्क हो जाते हैं। जवाब में, केंद्रीय बैंक आम तौर पर उधार लेने को प्रोत्साहित करने और आर्थिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने के लिए ब्याज दरों को कम करते हैं।

KD LIVE

Cash Crunch (नकदी की कमी)

A cash crunch refers to a situation where an individual, business, or organization experiences a shortage of available cash to meet their financial obligations or day-to-day expenses. It can occur due to various reasons, such as poor financial management, unexpected expenses, low cash flow, economic downturns, or excessive debt.

कैश क्रंच के बारे में बात करते हैं, तो इसका मतलब होता है कि किसी व्यक्ति, व्यापार या संगठन को उनकी वित्तीय अवधियों या दैनिक खर्चों को पूरा करने के लिए उपलब्ध नकदी में कमी हो रही है। यह निम्नलिखित कारणों के कारण हो सकता है, जैसे कि खराब वित्तीय प्रबंधन, अप्रत्याशित खर्च, कम नकदी का आगमन, आर्थिक मंदी या अत्यधिक कर्ज।

KD LIVE

Fiduciary Money(प्रत्ययी मुद्रा/ विश्वसनीय मुद्रा)

Fiduciary money refers to a type of currency that is not backed by a physical commodity, such as gold or silver, but rather by trust or confidence in the issuing authority. In other words, fiduciary money derives its value from the belief that it can be exchanged for goods and services.

विश्वसनीय मुद्रा (फिडुशिएरी मनी) उस प्रकार के मुद्रा को संदर्भित करता है जिसे किसी भौतिक सामग्री, जैसे सोना या चांदी, के द्वारा समर्थित नहीं किया जाता है, बल्कि इसे जारी करने वाले अथॉरिटी में विश्वास या आत्मविश्वास से प्राप्त किया जाता है। दूसरे शब्दों में, विश्वसनीय धन का मूल्य इस विश्वास पर आधारित होता है कि इसे वस्तुओं और सेवाओं के लिए आदान-प्रदान के लिए बदला जा सकता है।

Cold Cash(कोल्ड कैश)

Cold cash" typically refers to physical money or currency, especially in the form of banknotes or coins. The term "cold" is used metaphorically to emphasize the tangible and physical nature of the cash.

In a broader sense, "cold cash" can also refer to money that is readily available or easily accessible, without any strings attached or restrictions. It implies immediate liquidity and the ability to use the money for various purposes.

कोल्ड कैश" आमतौर पर भौतिक धन या मुद्रा को संदर्भित करता है, विशेष रूप से बैंकनोट्स या सिक्कों के रूप में। "कोल्ड" शब्द का उपयोग रूपक रूप से नकदी की मूर्त और भौतिक प्रकृति पर जोर देने के लिए किया जाता है।

व्यापक अर्थ में, "कोल्ड कैश" उस धन को भी संदर्भित कर सकता है जो बिना किसी बंधन या प्रतिबंध के आसानी से उपलब्ध या आसानी से सुलभ हो। इसका तात्पर्य तत्काल तरलता और विभिन्न उद्देश्यों के लिए धन का उपयोग करने की क्षमता से है।

KD LIVE

Fiat Money(फिएट मुद्रा)

Fiat money is a type of currency that derives its value from government regulation or law. It is not backed by a physical commodity such as gold or silver but is instead declared legal tender by a government.

In a fiat monetary system, the government or central bank has the authority to issue and regulate the supply of money.

फ़िएट मनी एक प्रकार की मुद्रा होती है जिसका मूल्य सरकारी नियमों या कानून से प्राप्त होता है। यह सोने या चांदी जैसी भौतिक वस्तु से पृथक्कृत नहीं होती है, लेकिन इसे सरकारी विधि द्वारा कानूनी मुद्रा घोषित की जाती है।

फ़ायट मौद्रिक प्रणाली में, सरकार या केंद्रीय बैंक को मुद्रा जारी करने और व्यापार को नियंत्रित करने की अधिकार होती है।

KD LIVE

Hot Money(चलायमान मुद्रा)

Hot money refers to the flow of investment funds that moves quickly between different countries or financial markets in search of the highest short-term returns.

हॉट मनी से तात्पर होना विभिन्न देशों या वित्तीय बाजारों के बीच प्रवाहित निवेश धन को अल्प समय में उच्च लाभ के खोज में होने के रूप में होता है।

Grey Money(ग्रे मनी)

Grey money refers to funds that are earned through legal means but are not fully disclosed to tax authorities or regulatory bodies. It often involves activities aimed at evading taxes or concealing the true nature of financial transactions. Grey money can be generated through various methods, such as underreporting income, engaging in off-the-books transactions, utilizing offshore accounts, or exploiting loopholes in tax laws.

ग्रे मनी होने का अर्थ होता है कि यह धन वह होता है जो कानूनी माध्यमों से कमाया जाता है, लेकिन इसे कर नियामक संगठनों या कर अधिकारियों के सामने पूरी तरह से खुलासा नहीं किया जाता है। यह आमतौर पर करों से बचने या वित्तीय लेन-देन की असली प्रकृति को छिपाने के उद्देश्य से कार्य किया जाता है। ग्रे मनी के प्रमुख तरीके में आय की अवहेलना, अनोखे लेन-देन, ऑफशोर खातों का उपयोग और कर विधियों में छेद करना शामिल होता है।

KD LIVE

Money Multiplier(मुद्रा गुणक)

The money multiplier is a concept used to determine the maximum amount of money that can be created in the economy through the process of deposit creation by banks. It represents the ratio of the increase in the money supply to the initial injection of funds into the banking system.

मनी मल्टीप्लायर एक तत्व है जो बैंकों द्वारा जमा निर्माण के माध्यम से अर्थव्यवस्था में उत्पन्न की जा सकने वाली अधिकतम धनराशि को निर्धारित करने के लिए प्रयोग होता है। यह मापत्र बैंक संस्थान में धन के प्रवाह की तुलना में वृद्धि के अनुपात को दर्शाता है।

$$\text{Money Multiplier} = \frac{1}{\text{Reserve Ratio}}$$

170 x 66

166 x 66 mm^2

Mangalyaan(मंगलयान)

150 x 66mm^2

Red Fort(लाल किला)

Motif on Banknotes(बैंकनोट्स पर मोटिफ)

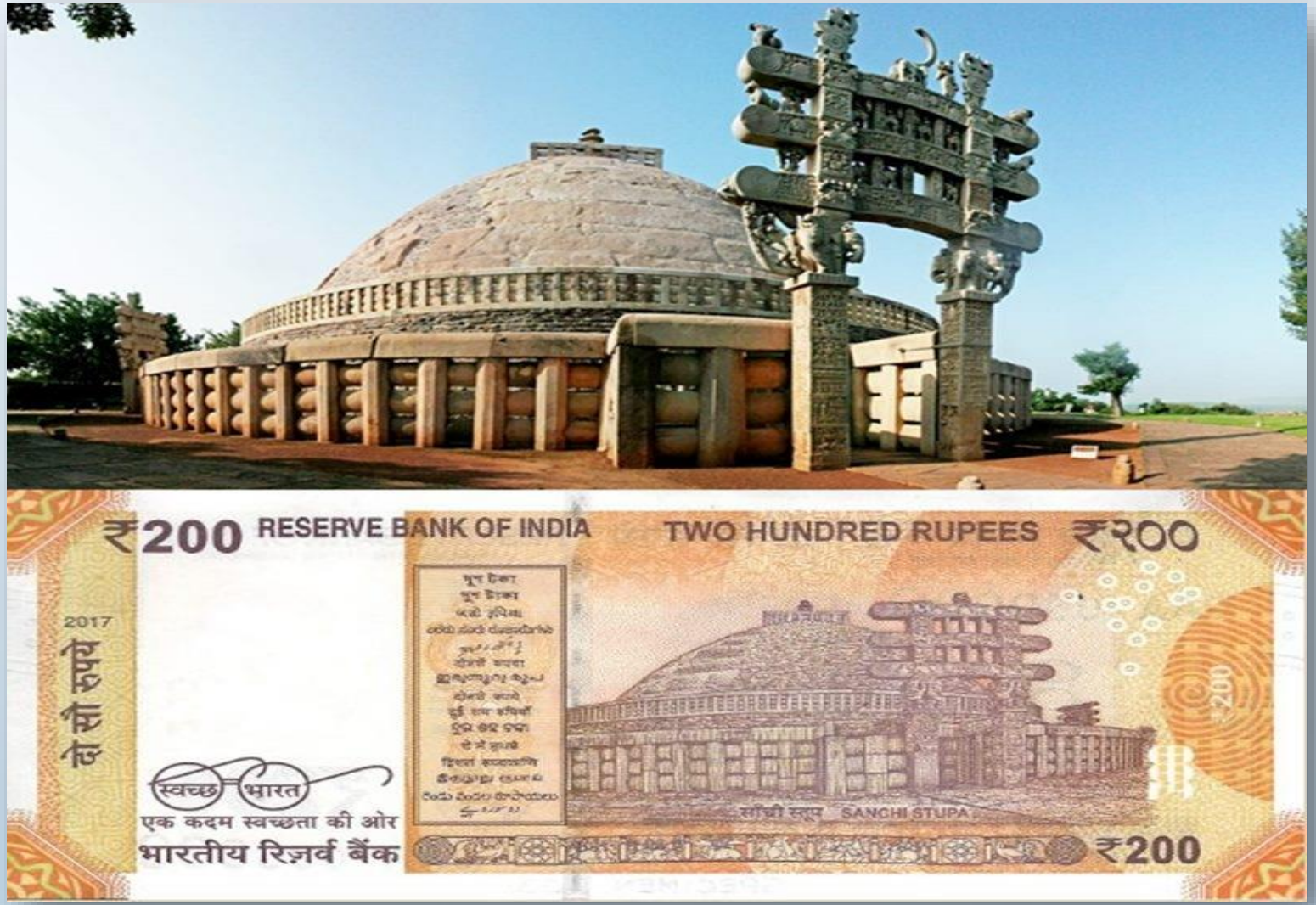

साँची स्तूप

150 x 66mm^2

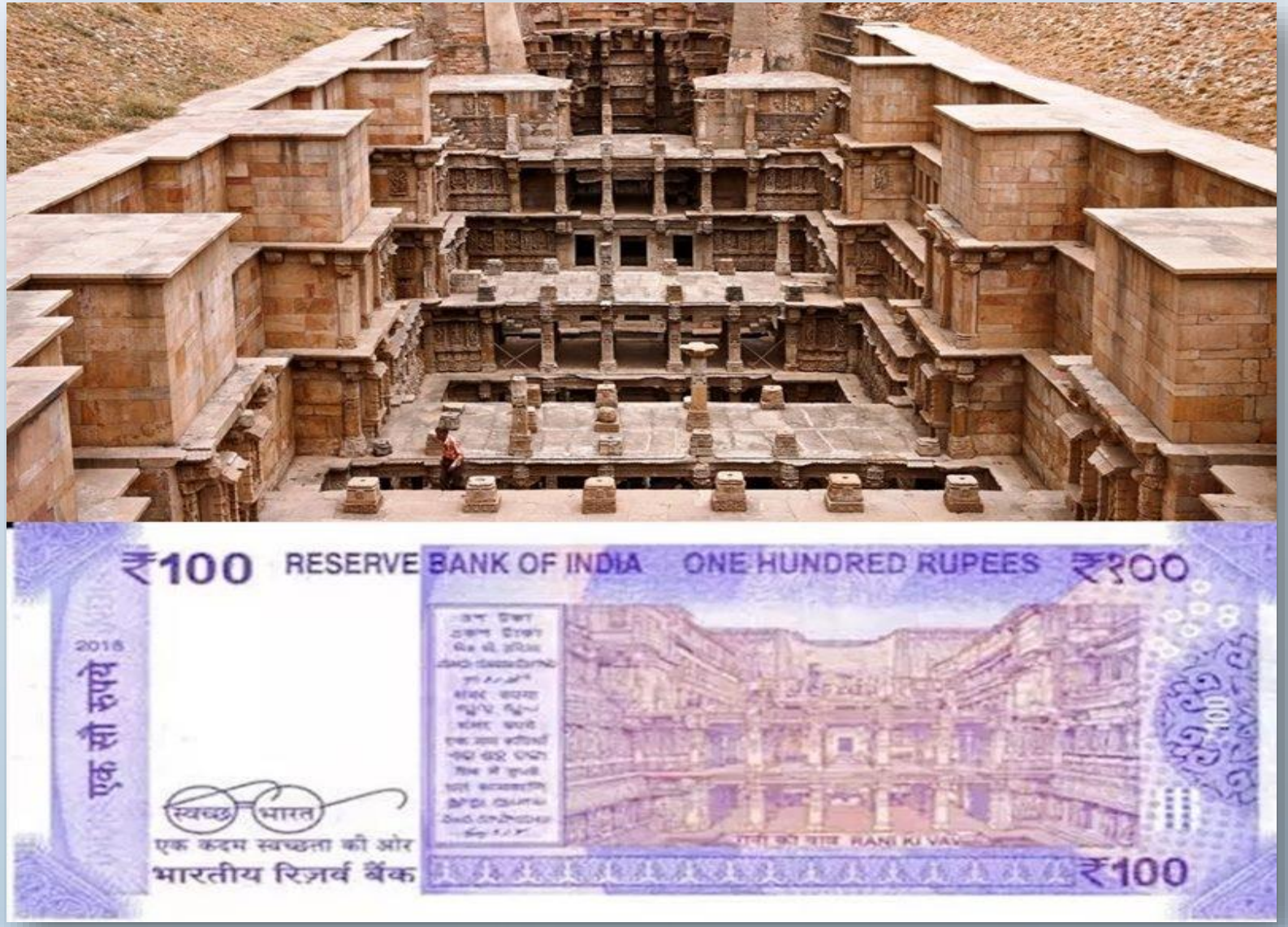

रानी की वाव

142 x 66 mm^2

Motif on Banknotes(बैंकनोट्स पर मोटिफ)

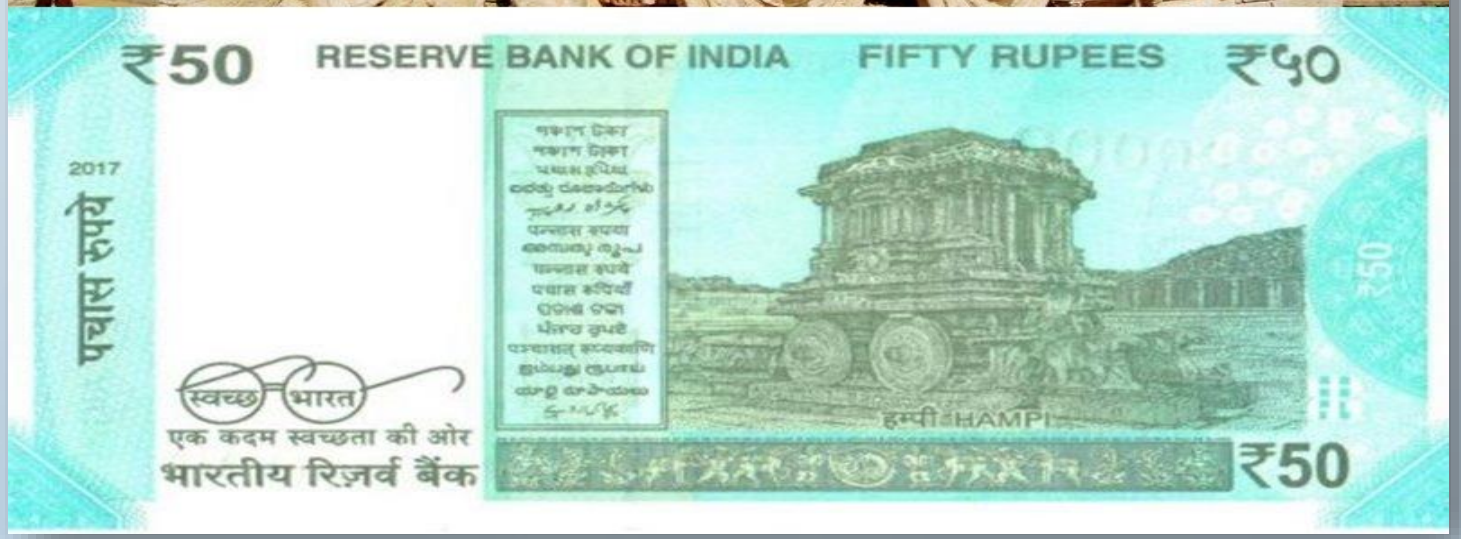

हम्पी

135 x 66mm^2

Motif on Banknotes(बैंकनोट्स पर मोटिफ)

एलोरा की गुफाएं

129 x 63 mm^2

Motif on Banknotes(बैंकनोट्स पर मोटिफ)

सूर्य मंदिर कोणार्क

123 x 63 mm^2

Economics with Ravi

THANK YOU